सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

25 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 200
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

जितेन्द्र आत्महत्या प्रकरण -

चार अन्य आरोपी गिरफ्तार

❑मुख्य आरोपी पूर्व में ही जा चुका है जेल

हमारे संवाददाता

पौड़ी। जितेन्द्र कुमार के आत्महत्या प्रकरण में पुलिस ने जांच के बाद चार अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि पौड़ी जनपद के ग्राम तलसारी निवासी जितेन्द्र कुमार द्वारा 21 जनवरी की सुबह खुद को बन्दूक से गोली मारकर आत्महत्या कर ली गयी थी। आत्महत्या से पूर्व जितेन्द्र द्वारा एक वीडियो के माध्यम से भाजयूमो के प्रदेश मंत्री हिमांशु चमोली सहित पांच लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा गया था कि उन्होने उसके साथ एक जमीन को लेकर 57 लाख रूपये की ठगी कर ली गयी है। जिसके कारण उसे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा है। मामला सुर्खियों में आने के बाद पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जिसमें मुख्य आरोपी हिमांशु चमोली को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जांच के दौरान इस मामले में चार अन्य आरोपियों शुभंम खण्डूरी, निवासी कोठारी मोहल्ला थाना डोईवाला,जनपद देहरादून, गौरव काम्बोज, निवासी बुल्लावाला, डोईवाला देहरादून, विकास शाह निवासी हरिद्वार रोड, भानियावाला तिराहा देहरादून व अभिषेक गैरोला निवासी बड़कोट रानीपोखरी देहरादून के खिलाफ भी पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर पुलिस टीम द्वारा चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सवाल: कैसे भरेंगे आपदा के जख्म

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य इन दिनों आसमानी आपदा की मार से बेजार है। डरे सहमें लोगों के मन में अब बस एक ही सवाल है कि आपदा की मार झेल रहे लोगों के जख्म कब तक और कैसे भर पाएंगे। अभी धराली आपदा के प्रभावितों तक शासन-प्रशासन सहायता पहुंचा भी नहीं पाया था कि 2 दिन पूर्व थराली में बादल फटने से भारी तबाही देखने को मिली। भले ही यहां अभी तक एक मृत्यु और एक लापता के रूप में जनहानि धराली की तुलना में कम हो लेकिन चमोली के दो गांवों में दो से तीन फीट तक मलवा आ जाने से जनजीवन संकट में आ गया है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस आपदा के कारण जन आपूर्ति लाइन के कट जाने के कारण लोगों को जिस तरह की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है उसका दर्द वह खुद ही समझ सकते हैं।

सरकारी दावे भले ही कुछ भी किये जा रहे हो लेकिन धराली आपदा को 20 दिन बीत चुके हैं लापता लोगों की तलाश की बात बहुत दूर है इस क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क मुख्य सड़कों और मुख्यालय से टूट जाने के कारण आम जरूरत की वस्तुओं की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है कई क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारू नहीं किया जा सका है तो कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति अभी भी सुचारू नहीं हो सकी है।

आपदा के 20 दिन बाद भी गंगोत्री

●धराली क्षेत्र की सड़कें 20 दिन में भी नहीं सुधरी
●ग्रामीण क्षेत्रों में आम जरूरत की वस्तुएं भी नहीं
●एक सप्ताह तक जारी रहेगा मानसून का कहर

हाईवे को सुचारू नहीं किया जा सका है।

वहीं अब आज मिली ताजा जानकारी के अनुसार नालूना के पास नया भूस्खलन जोन सक्रिय होने से पहाड़ दरक रहा है। पूरी पहाड़ी के सड़क पर गिर जाने से मार्ग बुरी तरह से बंद हो गया है वहीं यमुनोत्री हाईवे पर भूस्खलन के कारण यातायात ठप हो गया है।

उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और चमोली क्षेत्र की छोटी बड़ी कुल 60 सड़के बंद है। ऐसी स्थिति में अगर राज्य के इन पर्वतीय जिलों में कोई बड़ी घटना घटित होती है तो आपदा के समय प्रभावितों की सहायता के लिए पहुंच पाना मुश्किल हो जाएगा। इसमें कोई संदेह नहीं है राज्य में हो रही लगातार बारिश के कारण हाल खराब है। आगामी कुछ घटों के लिए राज्य की राजधानी दून सहित 6 जिलों में भारी से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है तथा बाकी जिलों में बारिश जारी है।

नैनीताल में अभी भारी बारिश हो रही है। नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। नाले उफान पर हैं मौसम विभाग की चेतावनी के बाद प्रशासन द्वारा मुनादी करके लोगों को सतर्क किया जा रहा है कि वह सावधानी बरते तथा नदी नालों से दूर रहे। ऐसी स्थिति में सड़कों को खोलने व उनकी मरम्मत का काम भी भला कैसे संभव है? चिंता का विषय यह है कि अभी इस आफत से कम से कम एक सप्ताह तो निजात मिल पाना मुश्किल है।

दून वैली मेल

संपादकीय

हरक आग बबूला

डा. हरक सिंह यह नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है अपने पूरे राजनीतिक जीवन में वह तमाम तरह के विवादों से घिरे रहे हैं जिनकी यहां जिक्र हम नहीं करना चाहते हैं क्योंकि बात सीधे उस मुद्दे की है जिसे लेकर वह इन दिनों चर्चाओं के केंद्र में है। उन्होंने अभी हाल ही में भाजपा द्वारा इकट्ठा किए जाने वाले धन संग्रह जिसे आप राजनीतिक भाषा में चंदा भी कह सकते हैं, के बारे में यह खुलासा करते हुए सनसनी पैदा कर दी कि जब वह भाजपा में वन मंत्री थे तब खनन कारोबारियों से 30 करोड रुपए वसूल कर भाजपा ने एक बैंक एफडी बनवाई थी जिसमें उन्होंने भी 10 लोगों से 10-10 लाख के चेक लेकर 1 करोड रुपए दिए थे। उनका कहना है कि खनन से भाजपा ने और उसके नेताओं ने अपने घर भर लिए हैं और बात करते हैं भ्रष्टाचार मिटाने की और खनन नीति से राज्य का राजस्व बढ़ाने की। उनका साफ कहना है कि मैं खुद भी इस अपराध का दोषी हूं। भाजपा इसकी ईडी से जांच करा ले पूरी भाजपा सरकार और उसके नेता जेल में होंगे। उनके इस बयान से भले ही भाजपा के अंदर खलबली व बेचैनी बढ़ी हो लेकिन किसी के भी बोलने की हिम्मत नहीं हुई। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सिर्फ इतनी सी प्रतिक्रिया दी कि हरक के आरोप सही है तो वह इसकी एफ आई आर करायें। इस प्रतिक्रिया पर वह इतना आग बबूला हो गए कि उन्होंने तमाम पूर्व मुख्यमंत्रियों जिसमें डा. निशंक, भगत दा और त्रिवेंद्र तथा तीरथ रावत तक सबके बारे में ऐसी ऐसी बातें कही कि इन्हें सुनकर कोई भी व्यक्ति हैरान हो सकता है। डा. हरक सिंह रावत का कहना है की प्रदेश भाजपा के नेता तो भूखे नंगे थे। किसके पास क्या था किसी ने कभी कोई व्यापार नहीं किया, ठेकेदारी नहीं की आज सब धन्ना सेठ हो गए हैं कहां से आया उनके पास इतना धन? भगत सिंह कोश्यारी एक धोती कुर्ते में उनके घर आते थे और खाने को नहीं होता था उन्हें कोई खाना खिलाने वाला नहीं था। तीरथ को मैने 3 साल हॉस्टल में रखा और खाना कपड़े का खर्चा मैं खुद करता था उनका कहना है कि मैं सबकी हकीकत जानता हूं। अफसोस इस बात का है कि हंसा चनाई और बेलवंती चौहान जिन्होंने राज्य आंदोलन में सीने पर गोलियां खाई राजेश रावत और बेंजवाल ने शहादत दी भाजपा के शासनकाल में अब राज्य में क्या हो रहा है? सवाल यह है कि चाहे अंकिता हत्याकांड हो या भर्ती घोटाले हो अपराध किसी भी तरह का हो हर एक मामले में भाजपा के नेताओं का ही नाम क्यों आता है? जितेंद्र नेगी ने आत्महत्या कर ली किसके कारण की उसका वीडियो बता रहा है जो मरने से पहले उसने बनाया पुलिस रिपोर्ट में लिखा जा रहा है कि जंगल में शिकार करने गया गोली लग गई। नैनीताल के मामले में पूरे देश दुनिया ने देखा कि कैसे गन पॉइंट पर पंचायत सदस्यों का अपहरण हुआ और यह सदस्य कह रहे हैं कि घूमने फिरने गए थे भाजपा की महिला नेत्री ने सारी सीमाएं ही लांघ डाली अपनी बेटी को वह भी नाबालिग उसी की जिंदगी बर्बाद कर दी। उनका कहना है कि इन बीजेपी के नेताओं को हो क्या गया है। वह कहते हैं कि ठेकेदारी में अब खुला 50 फीसदी का खेल चल रहा है 30 फीसदी ऊपर जाता है के नाम पर वसूला जा रहा है यह किसके पास जाता है कुछ पता नहीं। उनका कहना है कि एक दिन में प्रपोजल आता है मुख्यमंत्री से लेकर डीएम और सचिव तक सभी के हस्ताक्षर हो जाते हैं और हरिद्वार की जमीन भी आवंटित कर दी जाती है ऐसी फास्ट सर्विस और शासन प्रशासन का अवेयरनेस क्या किसी ने कभी देखा है? वह कहते हैं यही खेल खनन में हो रहा है। डा. हरक सिंह रावत आखिर इतने आग बबूला है क्यों? क्या वह फिर भाजपा में जाना चाहते हैं? इस सवाल पर वह कहते हैं कि मैं अब चोरों की इस पार्टी में कभी नहीं जाऊंगा। कांग्रेस भवन में अभी उन्होंने एक कार्यक्रम में माला पहनने से मना कर दिया और कहा कि भाजपा को सत्ता से हटाकर ही कोई माला पहन लूंगा। हरक सिंह कहते हैं कि अब मैने घर बार से भी संन्यास ले लिया है पहले लोग वानप्रस्थ में जाते थे वह अब कफन बांध कर भाजपा को हराने के लिए निकल पड़े हैं। कुछ लोग अब कांग्रेस के अच्छे दिन आने की आहट को भी उनकी इस आक्रामकता का कारण बताते हैं।

समिति ने शहीद दुर्गा मल की पुण्यतिथि पर उनको दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने शहीद दुर्गा मल को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इसमें आजाद हिंद फौज के मेजर और गोरखाओं के पहले गोरखा सैनिक स्वर्गीय शहीद दुर्गा मल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियल और समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि शहीद दुर्गा मल ने भारत को आजाद कराने के लिए नेताजी के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज में रहते हुए अंग्रेजों को बुरी तरह मात दी। उन्होंने अपने कार्यों से अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे और वह 1944 में देश के लिएं लड़ते हुए शहीद हो गए। देश उन्हें कभी नहीं भूल सकता उनके द्वारा दी गई कुर्बानियों को देश सदैव याद रखेगा हम और देश सदैव उनके ऋणी रहेंगे। शहीद दुर्गामल को याद करने वालों में आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती, दानिश नूर, इलियास कुरेशी, जय बिष्ट, सुशील विरवानी, पारस यादव आदि उपस्थित रहे।

पढाई या गुंडई ?

❑कुछ अभिभावक अपना सिरदर्द कम करने के लिए भेजते है देहरादून
❑एडमिशन से पहले गृह जनपद से होना चाहिए चरित्र सत्यापन

सवाददाता

देहरादून। बाहरी राज्यों से कई लोग शिक्षा के हब देहरादून में पढाई करने आते हैं या फिर गुण्डई करने? यह बात आये दिन यहां छात्रों के बीच होने वाले झगडे व फायरिंग की घटनाओं से साफ हो रही है कि यहां पर वह पढने नहीं अपनी दबंगई दिखाने के लिए आ रहे हैं।

देहरादून जो शुरू से ही शिक्षा का हब रहा है। यहां पर देश के जाने माने शिक्षण संस्थान हैं जहां पर देश ही नहीं विदेशों से बच्चे पढने आते हैं। लेकिन जब से यहां पर इंस्टीटयूटों की भरमार हुई है तब से यहां पर पढाई का तरीका ही बदलता चला गया। इन इंस्टीट्यूटों में बाहरी प्रदेशों के छात्रों का जमावाडा है। किसी भी इंस्टीटयूट में क्षेत्रिय छात्रों से अधिक बाहरी राज्यों के छात्रों की संख्या होती है और वह छात्र यहां पर पढने कम अपना वर्चस्व स्थापित करने में ज्यादा ध्यान रखते हैं। यहीं कारण है कि यहां आये दिन लडाई झगडों की बातें सुनायी देती है।

अब तो जैसे हद ही हो गयी अब बाहरी राज्यों के छात्र किताबों से ज्यादा तमंचे, चाकू, सरिये का इस्तेमाल अधिक करने लगे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि यहां पर छात्र पढने कम गुण्डई करने के लिए अधिक आ रहे हैं। जबकि मां बाप अपने खून पसीने की कमाई से इनको सुधारने व पढने के लिए यहां भेजते हैं और अधिकांश बच्चे यहां से आईपीसी की धाराये अपने ऊपर लगवाकर अपने घर वापस समय से पहले ही पहुंच रहे है। जो कि आने वाले समय के लिए अच्छे संकेत नहीं है। पहले लाण्ठी-डण्डे चलते थे लेकिन अब मामले तमंचे व बंदूकों के होने लगे। आये दिन छात्रों के गुटों में झगडा व गोलिया चलने की आवाजों की बाते अब आम हो गयी हैं। इन सभी हरकतों से एक बात तो साफ हो गयी कि कुछ अभिभावक अपने बच्चे से परेशान होकर अपना सिरदर्द कम करने के लिए उसको शहर से बाहर पढने का बहाना बनाकर भेज देते हैं और पैसे खर्च कर अपना सकून ढूंढते हैं। क्योंकि वह वहां पर आये दिन उसके लडाई झगडों से परेशान होते हैं और आये दिन पुलिस थाना चौकी के चक्कर लगाने से अच्छा वह उसको अपने से दूर रख चैन की नींद सोते हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए शिक्षण संस्थानों के संचालकों व हास्टल के संचालकों को छात्रों को अपने यहां एडमिशन देने से पहले उसके गृह जनपद से उसके चरित्र का सत्यापन कराना अनिवार्य करना चाहिए। जो भी छात्र बाहरी प्रदेश से यहां पर एडमिशन लेने आता है तो उसको उसके गृह जनपद से चरित्र सत्यापन अनिवार्य करना होगा। चरित्र सत्यापन होने से साफ हो जायेगा कि वह छात्र कितना सही व गलत है। जिसके बाद उसको एडमिशन देना है या नहीं इसपर विचार कर लेना चाहिए। चरित्र सत्यापन के बाद साफ हो जायेगा कि यह छात्र यहां पर पढने आया है या फिर समय पास करने के लिए आया है।

शहीद दुर्गामल की शहादत आज भी युवाओं को देती है प्रेरणाः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि महान शहीद मेजर दुर्गा मल की शहादत आज भी देश के युवाओं को देश प्रेम और देश के लिए मर मिटने की प्रेरणा देती है।

आज यहां देश की आजादी के लिए लड़ते हुए जिन्होंने केवल 31 वर्ष की आयु में अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे महान शहीद मेजर दुर्गा मल की शहादत आज भी देश के युवाओं को देश प्रेम और देश के लिए मर मिटने की प्रेरणा देती है यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश कांग्रेस गोरखा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पहले केवल 18 वर्ष की आयु में गोरखा राइफल्स में भर्ती हुए दुर्गामल कालांतर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल हो गए और उसमें अपने अदम्य साहस और बुद्धिमता से मेजर के पद पर तैनात हुए और भारत की आजादी की लड़ाई के एक बड़े अभियान में अंग्रेज सरकार ने उनको गिरफ्तार कर लिया और 25 अगस्त 1944 को उनको लाल किले में फांसी पर चढ़ा दिया। देहरादून के डोईवाला में एक फौजी परिवार में जन्में शहीद मेजर दुर्गा मल ने देश के लिए शहादत दे कर देहरादून व उत्तराखंड का नाम रौशन किया। प्रदेश कांग्रेस गोरखा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बस्नेत ने शहीद दुर्गा मल को गोरखा जाती का गौरव बताते हुए कहा कि शहीद दुर्गा मल आजाद हिंद फौज के पहले गोरखा सैनिक थे जिन्होंने देश के लिए शहादत दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी गोरखा प्रकोष्ठ के विजय शाही, राजीव थापा, श्रीमती पिया थापा, श्रीमती सावित्री थापा, राज गुरुंग ,श्रीमती गरिमा माहरा दसौनी, राज गुरुंग, प्रदीप डोभाल, गोपाल क्षेत्री, धीरज थापा, सदन थापा, अमर प्रधान, राजेश थापा, मनोज थापा , आनंद सिंह पुंडीर आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी विद्यालयों को एक फीसदी लेबर सैस जमा करने के हैं निर्देशः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विद्यालय प्रबंधन को विद्यालय भवन की लागत का एक फीसदी लेबर सेस (श्रम उपकर) जमा कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सरकार के एक तुगलकी फरमान ने प्रदेश भर के प्राइवेट विद्यालय प्रबंधनों/ स्वामियों की नींद उड़ा कर रख दी है, जिसमें भवन निर्माण एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विद्यालय प्रबंधन को विद्यालय भवन की लागत का एक फीसदी लेबर सेस (श्रम उपकर) जमा कराने हेतु निर्देशित किया गया है (नोटिस जारी किये गये हैं)। जबकि होना यह चाहिए था कि जो उस भवन के निर्माण में लेबर खर्च लगा है, उसका एक फीसदी कर लिया जाना न्याय संगत लगता है। जो टैक्स थोपा जा रहा है वो वर्तमान हिसाब से 17,500 प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से आंका जा रहा है। टैक्स लगाना न्याय संगत बात हो सकती है, लेकिन मुनासिब होना चाहिए। माना कि एक भवन 1000 में बनकर तैयार हुआ तथा उसमें 150 लेबर खर्चा आया तो इस हिसाब से 150 लेबर खर्चे पर एक फीसदी 1.50 रुपए सैस लगाना चाहिए था, लेकिन यहां 1000 पर एक फीसदी यानी 10 सैस लगाया जा रहा है। यह एक तरह से लेबर कर न होकर भवन कर जैसा प्रतीत हो रहा है। प्रश्न इस बात का है कि शैक्षणिक संस्थानों पर लेबर सैस लगाकर सरकार एक तरह से छात्र- छात्राओं एवं इनके अभिभावकों पर अप्रत्यक्ष तौर पर बोझ डालना चाहती है। इस प्रकार का सैस यानी जजिया कर भविष्य में कहीं न कहीं शिक्षा ग्रहण करना और महंगी कर देगा तथा इसका भार भी अभिभावकों पर ही पड़ेगा। आखिर हर चीज में टैक्स पर टैक्स लगाकर जनता का तेल निकालना निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण भी है। इसके अतिरिक्त अस्पताल व अन्य संस्थानों पर भी टैक्स लगाए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। मोर्चा थोपे गए जजिया कर (सैस) में संशोधन किए जाने को लेकर शीघ्र ही सीएम दरबार में दस्तक देगा।

डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें

हरिशंकर व्यास

ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया में इस समय सबसे बड़ी चिंता यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे हैंडल करें। सब अपने अपने तरीके बता रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों उनके बहुत गहरे दोस्त हैं। इसके बाद उन्होंने कहा कि वे मोदी को बताएंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यह बात मीडिया के जरिए नहीं, बल्कि निजी बातचीत में बताएंगे कि कैसे ट्रंप को हैंडल करें। सोचें, एक राष्ट्र का प्रधानमंत्री दूसरे देश के प्रधानमंत्री को बताएगा कि एक तीसरे देश के राष्ट्रपति को कैसे हैंडल किया जाएगा। पहले कभी इस किस्म की बात सुनने को नहीं मिली।

इसी तरह जिस समय नेतन्याहू ने यह बात कही लगभग उसी समय ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया था। लूला और प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत का मुद्दा यह था कि राष्ट्रपति ट्रंप को कैसे हैंडल करें। ध्यान रहे राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि लूला डी सिल्वा जब कहें तब वे उनसे बात करने को तैयार हैं। लेकिन लूला ने कहा कि वे ट्रंप से नहीं मोदी से बात करें। माना जा रहा है कि ब्राजील के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री दोनों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से निपटने या उनको हैंडल करने के बारे में बात की। दोनों की एक रणनीति दिख रही है कि अभी ट्रंप के दबाव के आगे नहीं झुकना है और अभी चुप रहना है। हो सकता है कि ट्रंप को हैंडल करने की यह रणनीति उससे अलग हो जो नेतन्याहू ने मोदी को बताने का वादा किया है।

बहरहाल, इस महीने के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के दौरे पर जा सकते हैं, जहां शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक से इतर उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग से दोपक्षीय वार्ता हो सकती है। एससीओ सम्मेलन के दौरान चीन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी मोदी को मिलेंगे। बाद में पुतिन भारत के दौरे पर भी आने वाले हैं। माना जा रहा है कि चीन में राष्ट्रपति शी जिनफिंग, राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी इस बात पर विचार करेंगे कि ट्रंप को कैसे हैंडल किया जाए। वैसे जिनफिंग और पुतिन ने अपने हिसाब से हैंडल किया हुआ है।

राष्ट्रपति ट्रंप चीन पर टैरिफ नहीं बढ़ा रहे हैं, जबकि वह रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा है। लेकिन उससे कम तेल खरीदने वाले भारत पर उन्होंने 5० फीसदी टैरिफ लगा दिया है। हो सकता है कि जिनफिंग समझाएं मोदी को कि उन्होंने कैसे यह किया है। वैसे यह सिर्फ भारत, चीन, रूस या ब्राजील का मामला नहीं है। यूरोपीय संघ के नेता भी इस फिक्र में हैं कि ट्रंप को कैसे हैंडल करें तो जापान और दक्षिण कोरिया के नेता भी परेशान हैं। मेक्सिको और कनाडा वाले तो पहले से ही परेशान हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

असल में महंगाई घट रही है?

मुद्रास्फीति दर का घटना तब मांग को प्रोत्साहित करता है, जब आम आमदनी भी बढ़े। ऐसा होने का संकेत नहीं है। फिर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से ताजा राहत अल्पकालिक साबित हो सकती है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर जुलाई में आठ साल के सबसे निचले स्तर- यानी 1.55 प्रतिशत रही। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर को अलग कर दें, तो कोर यानी मुख्य मुद्रास्फीति दर 4.1 फीसदी रही, जो जून में 4.4 प्रतिशत थी। यानी कुल मिलाकर महंगाई बढ़ने की दर में गिरावट का ट्रेंड है। बहरहाल, इससे यह धारणा नहीं बननी चाहिए कि असल में महंगाई घट रही है। ताजा सरकारी आंकड़े सिर्फ यह कहते हैं कि महंगाई अब पहले की तुलना में कम तेजी से बढ़ रही है। महंगाई दर जुलाई 2०24 में जिस स्तर पर थी, अब उससे 1.55 प्रतिशत ऊपर है, लेकिन चूंकि पहले महंगाई इससे काफी अधिक तेजी से बढ़ रही थी, इसलिए इस दर में आई गिरावट को राहत की खबर समझा गया है।

बहरहाल, असल सवाल यह है कि क्या इससे आम उपभोग में बढ़ोतरी होगी, ताकि बाजार में मांग बढ़े? इसकी संभावना कम है, क्योंकि मुद्रास्फीति दर कम रहना तब मांग को प्रोत्साहित करता है, जब आम आमदनी मुद्रास्फीति की तुलना में अधिक बढ़े। ऐसा होने का संकेत नहीं है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मोर्चे पर बढ़ रही चुनौतियां हैं, जिनकी वजह से ताजा राहत अल्पकालिक साबित हो सकती है। अमेरिका के टैरिफ युद्ध के कारण अनेक कारोबार पर तलवार लटक रही है, जहां बड़ी संख्या में रोजगार जाने का अंदेशा है। वैसी स्थिति में आम आमदनी में और गिरावट आएगी।

गौरतलब है, उपभोग और मांग का ना बढ़ना हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य समस्या रही है। केंद्र ने इसका समाधान निकालने की जरूरत को नजरअंदाज किया है। जबकि पेट्रोलियम पदार्थों के सस्ते आयात का लाभ आम उपभोक्ताओं को देकर तथा जीएसटी दरों में अनुकूल संशोधन कर वह ऐसा करने की स्थिति में है। फिलहाल, सरकार चाहे तो ऐसे कदम उठा कर मुद्रास्फीति दर में गिरावट से बनी अनुकूल स्थिति का लाभ उठा सकती है। खाने-पीने की चीजों की महंगाई नियंत्रित रहे और सरकार की पहल से लोगों की जेब में पैसा बचे, तो उस स्थिति में वे अवश्य ही अधिक उपभोग के लिए प्रेरित होंगे, जिससे अर्थव्यवस्था में गति आएगी। (आरएनएस)

नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से समाज का डी-स्कूलिंग

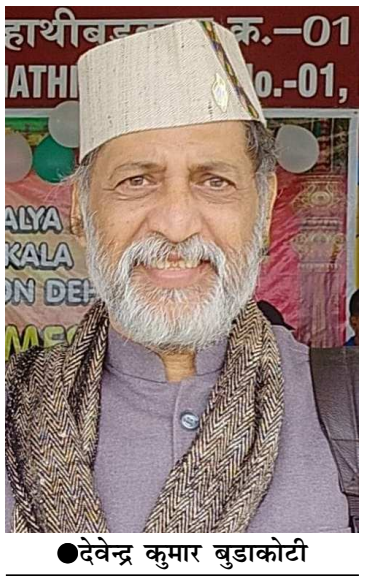

●देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी

सल 1971 में प्रकाशित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक Deschooling Society में इवान इलिच ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ शिक्षा आत्म-निर्देशित, सभी के लिए सुलभ और जीवन के दैनिक अनुभवों में अंतर्निहित हो। उन्होंने आधुनिक शिक्षा प्रणाली की आलोचना करते हुए कहा कि स्कूलों ने शिक्षा पर एकाधिकार कर लिया है, जो धन और मानव संसाधनों का अत्यधिक उपयोग करते हैं। इससे पहले, पाउलो फ्रेरे ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक Pedagogy of the Oppressed (1968) में लिखा था कि पारंपरिक शिक्षा पद्धति रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाती है और सामाजिक असमानताओं को और मजबूत करती है।

भारत में भी ऐसे विचारों की गूंज सुनाई देती है। गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर ने शिक्षा में रचनात्मकता, समग्र विकास और प्रकृति के साथ जुड़ाव पर बल दिया। प्राचीन भारत की गुरुकुल प्रणाली भी इसी सिद्धांत पर आधारित थी, जहाँ प्राकृतिक परिवेश में शिक्षक और शिष्य के बीच आवासीय शिक्षा दी जाती थी। लेकिन औपनिवेशिक काल में इस व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से नष्ट कर दिया गया। लॉर्ड मैकॉले की 1835 की शिक्षा संहिता का उद्देश्य था ऐसी भारतीय श्रेणी तैयार करना जो ष्रंग और खून से भारतीय लेकिन सोच, नैतिकता और बुद्धि से अंग्रेजष् हो। इस सोच ने एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की नींव रखी, जो आज भी हमारी प्रणाली को प्रभावित करती है।

हालांकि, नई शिक्षा नीति 2020 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तुत करती है और कई मायनों में श्डी-स्कूलिंगश की अवधारणा के करीब है। यह नीति कहती है कि शिक्षा को "अनुभवजन्य, समग्र, एकीकृत, खोज-आधारित, जिज्ञासु, लचीली, और आनंददायक" बनाया जाना चाहिए। इसमें विज्ञान और गणित के साथ-साथ कला, शिल्प, मानविकी, खेल, भाषा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों को भी बराबर स्थान देने की बात कही गई है।

इस दृष्टिकोण को व्यवहार में लाने के लिए, हमें शिक्षा को केवल तीन 'आर'ख्रीडिंग, राइटिंग और अरिथमैटिक तक सीमित नहीं रखना चाहिए। प्रारंभिक स्तर से ही बच्चों को नृत्य, नाटक, कठपुतली, कहानी कहने, संगीत और चित्रकला जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाना चाहिए। उच्च कक्षाओं में उन्हें इलेक्ट्रिशियन, वेल्डिंग, प्लंबिंग, कंप्यूटर हार्डवेयर, बढ़ईगिरी और संगीत वादन जैसे व्यावसायिक कौशल भी सिखाए जाने चाहिए। खेल-कूद को भी शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए और इन गतिविधियों को भी मूल्यांकन प्रणाली में सम्मिलित किया जाना चाहिए। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट्स आदि को भी मुख्यधारा में लाना आवश्यक है।

दसवीं के बाद विषय-विभाजन (विज्ञान, वाणिज्य, कला) अक्सर छात्रों में हीनता की भावना पैदा करता है। कुछ शिक्षकों द्वारा छात्रों का अपमान या उपेक्षा, उनकी आत्म-विश्वास और रचनात्मकता को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है, जिससे दीर्घकालीन मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए शिक्षकों और अभिभावकों को सहानुभूति और प्रोत्साहन की भावना से कार्य करना चाहिए।

एक समान पाठ्यक्रम भी समय की माँग हैख्चाहे वह विज्ञान हो, वाणिज्य हो या सामाजिक विज्ञान। राज्य अपनी स्थानीय संस्कृति, इतिहास और भूगोल को शामिल कर सकते हैं, लेकिन एक राष्ट्रव्यापी पाठ्यक्रम से सभी छात्रों को समान अवसर मिलेगा और एकल राष्ट्रीय बोर्ड (जैसे Indian Board of School Education) की दिशा में कदम बढ़ाना संभव होगा।

नई शिक्षा नीति को वैकल्पिक शिक्षा पद्धतियों जैसे गुरुकुल और होम-स्कूलिंग को भी मान्यता और प्रोत्साहन देना चाहिए। किसी भी 17 वर्षीय व्यक्ति को किसी भी राज्य या केंद्रीय बोर्ड से सीधे कक्षा 12 की परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति मिलनी चाहिए, भले ही उसने पारंपरिक स्कूलिंग न की हो।

डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और साइबर सुरक्षा जैसे नए विषयों के आगमन के साथ पाठ्यक्रम भले ही बदलें, लेकिन शिक्षण की पद्धति को सदैव संवेदनशील और मानवीय बनाए रखना होगा। खासकर प्राथमिक शिक्षा में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वही समाज और राष्ट्र के भविष्य की नींव रखता है।

(देवेन्द्र कुमार बुडाकोटी एक समाजशास्त्री हैं, जो 40 वर्षों से एनजीओ और विकास क्षेत्र में कार्यरत हैं। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और उनके शोध कार्य का उल्लेख नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अमर्त्य सेन की पुस्तकों में भी हुआ है।)

मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर विवाद

देश के चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि कानूनन चुनाव निकाय को मसौदा मतदाता सूची से गायब लोगों के नामों की अलग से सूची तैयार करने/साझा करने या किसी भी कारण उनके नाम न शामिल करने के कारणों को प्रकाशित करने की जरूरत नहीं है। अदालत को गुमराह करने के लिए याचिकाकर्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का आग्रह करते हुए आयोग ने पूरक हलफनामे के साथ दायर अन्य जवाब में कहा- अधिकार के तौर पर वे ऐसी कोई सूची नहीं मांग सकते। अपने मामले की पुष्टि के लिए आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 195० तथा मतदाता पंजीकरण नियम 196० के नियम 1० व 11 का हवाला दिया। बिहार में इस विवादित मसौदा सूची में 7.24 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जिसमें पैंसठ लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर विवाद है।

आयोग का दावा है, वे या तो मर चुके हैं या पलायन कर चुके हैं। हालांकि इस दावे का आधार बहुत सतही मालूम पड़ता है। याचिकाकर्ता गैर-सरकारी संगठन द्वारा इन गैर-मौजूद नामों की सूची कारण के साथ उपलब्ध कराने की मांग के बाद आयोग ने अपना जवाब दाखिल किया।

आयोग का कहना है, उसने अपने दायित्व कानून के दायरे में पूरे किये और नियमानुसार निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को मसौदा सूची की प्रति उपलब्ध कर दी।

साथ ही प्रत्येक मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को सूची की दो प्रतियां प्रदान करने की व्यवस्था भी है। आयोग के अनुसार छूटे नामों वाले मतदाता बूथस्तरीय एजेंटों व अन्य माध्यमों से संपर्क कर सकते हैं, परंतु सवाल है कि जो मतदाता वास्तव में दूर-दराज या राज्य से बाहर हैं, वे अपना नाम सूची में जांचने के लिए बारंबार लौट नहीं सकते। हालांकि आयोग ने पहली सितम्बर तक दावा या आपत्तियां दर्ज कराने का समय दिया है, परंतु यह आश्रितों, कमजोर आयवर्ग वालों व अशिक्षितों के लिए मात्र रस्म अदायगी लग रहा है।

बड़ी संख्या में अप्रवासी मजदूरों से मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने के लिए लौटना ज्यादा ही आशा करने सरीखा है।

हैरत है, आधारकार्ड/पैन व जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों को आवश्यक बताए जाने के बावजूद संबंधित विभागों से संपर्क करने जैसी व्यवस्थाएं करने में सरकारें और अफसरशाही बुरी तरह असफल हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों के दरम्यिान यह केंद्र का जिम्मा है कि वह ऐसे ठोस पहचान-पत्र की व्यवस्था करे, जिसमें नागरिकों की संपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सके। (आरएनएस)

प्लास्टिक के संपर्क में आने से छोटे बच्चों में बढ़ जाता है अस्थमा का खतरा

छोटे बच्चों के खिलौनों से लेकर दूध की बोतल तक, सभी में प्लास्टिक मौजूद होता है। इसी बीच एक नए अध्ययन से सामने आया है कि कम उम्र में प्लास्टिक के संपर्क में आने से छोटे बच्चों में अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसने भारत के 3 से 20 प्रतिशत बच्चों को अपना शिकार बनाया है। इससे उनके दैनिक जीवन पर असर पड़ता है और उनका संपूर्ण स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। हाल ही में यह अध्ययन जर्नल ऑफ एक्सपोजर साइंस एंड एनवायरनमेंटल एपिडेमियोलॉजी नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। इसे पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और अमेरिका के कई शोधकर्ता एक साथ आए थे। इसमें बचपन यानि 5 साल की उम्र से पहले हानिकारक प्लास्टिक युक्त रसायनों के संपर्क में आने के नैदानिक परिणामों की जांच की गई थी। अध्ययन में मुख्य रूप से प्लास्टिक में पाए जाने वाले फथैलेट्स और बिस्फेनॉल्स नामक रसायनों के दुष्प्रभाव बताए गए थे।

अध्ययन का डाटा 4 पूर्व अध्ययनों से प्राप्त हुआ था। इनमें ऑस्ट्रेलिया का बारवॉन शिशु अध्ययन, कनाडा का कनाडाई स्वस्थ शिशु अनुदैर्ध्य विकास अध्ययन, अमेरिका का स्वास्थ्य परिणाम और पर्यावरण के उपाय और बाल स्वास्थ्य परिणामों पर पर्यावरणीय प्रभाव शामिल थे। इस अध्ययन में बच्चों और गर्भवती महिलाओं ने हिस्सा लिया था और 5 साल तक उनके मूत्र के नमूने लिए गए थे। साथ ही उनका कम से कम एक एलर्जी परीक्षण भी किया गया था। एंडोक्राइन-डिसरपटिंग रसायन (ईडीसी) की जांच करने के लिए उच्च-प्रदर्शन तरल क्रोमैटोग्राफी-टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग किया गया था। अध्ययन के दौरान प्रतिभागियों से सवाल भी पूछे गए थे और जवाबों को नैदानिक एलर्जी मूल्यांकन के साथ मिलाया गया था। डाटा का मूल्यांकन करके यह पता लगाया गया कि कैसे फथलेट्स और बिसफेनॉल्स का मूत्र स्तर 5 साल की उम्र तक निदान किए गए एलर्जी परिणामों से जुड़ा होता है। इस अध्ययन ने प्लास्टिक से उत्पन्न ईडीसी और बचपन के श्वसन परिणामों के बीच एक संबंध का पता लगाया। इसके लिए 5,306 बच्चों के नमूनों का विश्लेषण किया गया था। अध्ययन के मुताबिक, जन्म से पहले डिब्यूटाइल फथलेट्स और ब्यूटाइल बेंजाइल फथलेट के संपर्क से 5 साल से कम उम्र के बच्चों में अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है। इन रसायनों के संपर्क में 2 गुना वृद्धि से अस्थमा के जोखिम में 6-8 प्रतिशत की वृद्धि होती है। अध्ययन में फथैलेट्स और बिस्फेनॉल्स की बात की गई है। खतरे की बात यह है कि ये रसायन प्लास्टिक, पैकेजिंग, खिलौने, सौंदर्य के उत्पाद और यहां तक कि देखभाल उत्पादों में भी मौजूद होते हैं। ये रसायन छोटे बच्चों में घरघराहट, एक्जिमा, अस्थमा और राइनाइटिस जैसी श्वसन संबंधी परेशानियां पैदा कर सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से आपको अपने बच्चे के लिए प्लास्टिक का सामान नहीं खरीदना चाहिए। इसके बजाय लड़की, धातु या अन्य सामग्रियों से बनी चीजें इस्तेमाल करें।(आरएनएस)

अकांक्षा पुरी बोलीं- शानदार रहा म्यूजिक वीडियो का अनुभव

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो एक आसमान था' रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई।

अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा। जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईंउन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है। मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता हैअकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद साल 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म कैलेंडर गर्ल्स' से बॉलीवुड में कदम रखा। साल 2017 में वह टीवी सीरियल विघ्नहर्ता गणेश' में माता आदि पराशक्ति के किरदार में दिखीं। वह रियलिटी शो स्वयंवर - मीका दी वोटी' की विनर भी रह चुकी हैं।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

टीवी देखते-देखते करें ये एक्सरसाइज, रहेंगे फिट

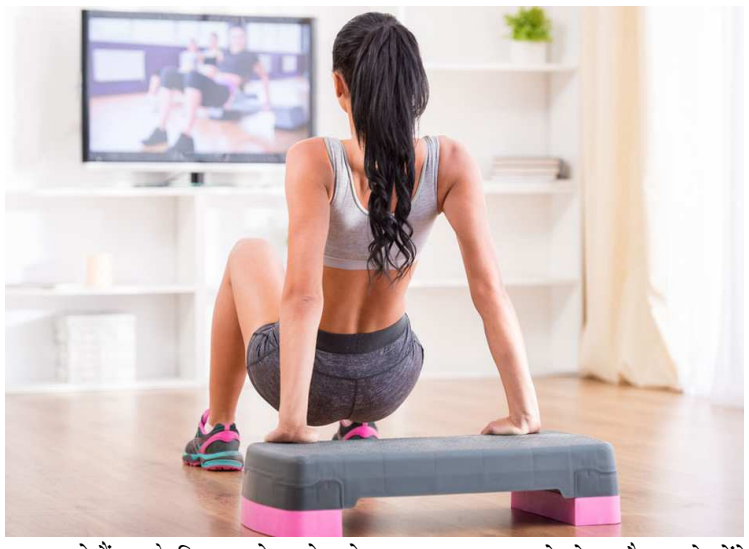

अगर आपको रोजमर्रा की एक्सरसाइज उबाऊ लगती है और आप इसे करने में आलस करते हैं तो टीवी देखते हुए ही एक्सरसाइज करना शुरू कर सकते हैं। इससे आपको एक्सरसाइज करने में बोरियत नहीं होगी और आप फिट भी रहेंगे। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें आप टीवी देखते हुए ही कर सकते हैं और इससे आपका कोई समय बर्बाद भी नहीं होगा।

काउच पुश-अप्स

काउच पुश-अप्स एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी काउच के किनारे पर हाथ रखकर पुश-अप्स करने हैं। यह आपकी छाती, कंधे और बाजुओं को मजबूत बनाता है। इसके अलावा यह आपकी पीठ की मांसपेशियों को भी टोन करता है। इसे करने के लिए काउच के किनारे खड़े होकर हाथों को काउच पर रखें, फिर शरीर को नीचे-ऊपर करें। यह कसरत आराम से की जा सकती है।

स्क्वाट्स

स्क्वाट्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले खड़े होकर अपने घुटनों को हल्का मोड़ें और फिर धीरे-धीरे नीचे की ओर बैठें जैसे कि आप कुर्सी पर बैठ रहे हों। इस दौरान अपनी पीठ को सीधा रखें और हाथों को सामने फैलाएं। यह एक्सरसाइज आपके पैरों, नितंबों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। नियमित अभ्यास से आपको बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

स्पॉट मार्चिंग

स्पॉट मार्चिंग एक आसान और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस जगह पर खड़े होकर पैर उठाने होंगे जैसे चल रहे हों। यह आपके दिल की सेहत को बढ़ाता है और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसे करने के लिए खड़े होकर धीरे-धीरे पैर उठाएं और नीचे रखें। यह कसरत आराम से की जा सकती है, जिससे आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

लेग सर्कल्स

लेग सर्कल्स एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को हवा में उठाकर गोल गोल घुमाना होगा। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटें, फिर एक पैर को ऊपर उठाकर गोलाकार गति में घुमाएं। इस प्रक्रिया को दूसरे पैर से भी दोहराएं।

बैठे-बैठे पैर उठाना

बैठे-बैठे पैर उठाना एक आसान और असरदार कसरत है, जिसे आप टीवी देखते हुए कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अपनी टांगों को ऊपर उठाना होगा जैसे कि कुर्सी पर बैठे हों। यह आपकी पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है और पैरों की टोनिंग करता है। इसे करने के लिए कुर्सी पर बैठकर दोनों पैरों को ऊपर उठाएं, फिर धीरे-धीरे नीचे रखें। इस प्रक्रिया को कुछ बार दोहराएं।

शब्द सामर्थ्य -61

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

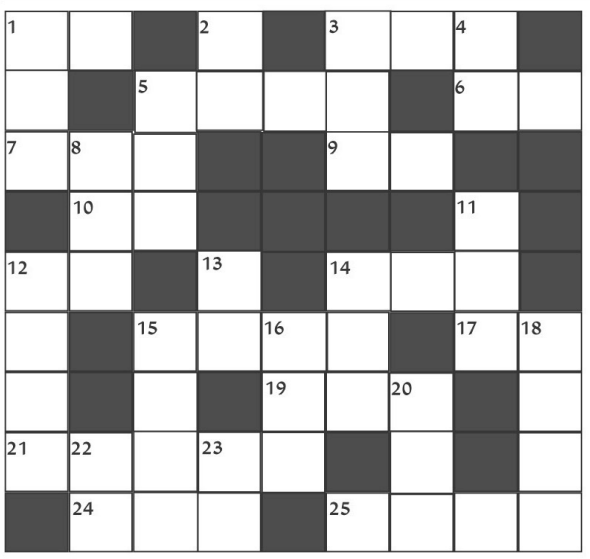

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 60 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

फिल्म अबीर गुलाल भारत छोड़कर दुनियाभर के सिनेमाघरों में होगी रिलीज

फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल पर खूब विवाद हुआ था। विवाद की वजह थी कि इसमें काम करने वाले पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी कलाकारों के लिए भारत और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सभी दरवाजे बंद कर दिए गए। बहरहाल, अब निर्माता फिल्म रिलीज करने के लिए दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 वाली रणनीति अपना रहे हैं। वे भारत छोड़कर दुनियाभर के सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज करने वाले हैं।

पहलगाम हमले के बाद से ऐसा कहा जा रहा था कि शायद फिल्म अबीर गुलाल को अब कभी रिलीज न किया जाए। हालांकि, हालिया मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,

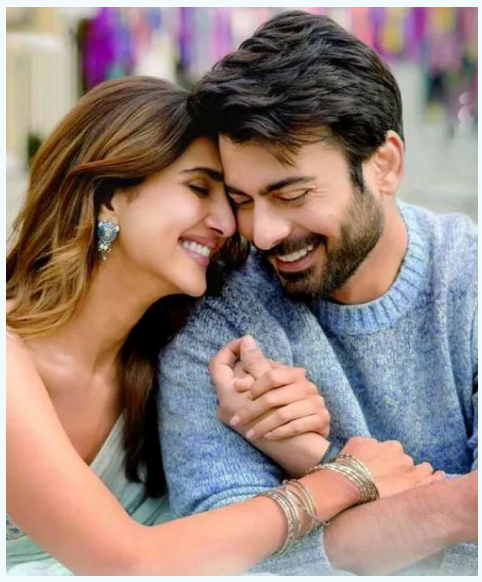

यह पिक्चर रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है और वो भी इसी महीने यानी अगस्त में। जिस रणनीति के साथ दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 ने खूब पैसे छापे, अब वही काम इस फिल्म के साथ होगा। हालांकि, देखना ये होगा कि फिल्म वैश्विक स्तर पर कितना कमाती है।

अबीर गुलाल 29 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में आएगी। साथ ही फिल्म का नाम बदलकर आबीर गुलाल कर दिया जाएगा, जो फिलहाल अबीर गुलाल है। अंदरखाने से मिली जानकारी के मुताबिक, अबीर गुलाल के निर्माता सरदार जी 3 वाली राह पर चल रहे हैं। दरअसल, दिलजीत की यह फिल्म भी भारत में रिलीज नहीं हो पाई थी, क्योंकि इसमें पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर थीं। इसने दुनियाभर से तगड़ा कारोबार किया। यहां तक कि पाकिस्तान में भी कई रिकॉर्ड तोड़े।

अबीर गुलाल का टीजर आने के बाद से ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना इस फिल्म का बहिष्कार कर रही थी। जैसे ही फिल्म के रिलीज होने की जानकारी सामने आई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है और फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज न करने की धमकी दे डाली। बता दें कि इस फिल्म में फवाद की जोड़ी पहली बार वाणी कपूर के साथ बनी हैं, वहीं रिद्धि डोगरा और सोनी राजदान भी इसका हिस्सा हैं।

यह फिल्म 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। उधर कई सिनेमाहॉल फिल्म को रिलीज करने करने के लिए तैयार नहीं थे और कई मनोरंजन संगठनों ने इसके बहिष्कार की मांग की थी। पहलगाम हमले के बाद इस फिल्म को लेकर विरोध और तेज हो गया, जिसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भी भारत में इसकी रिलीज की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अबीर गुलाल के गाने भी यूट्यूब इंडिया से हटा दिए गए थे।(आरएनएस)

दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 का हुआ शुभारंभ!

सीता रामम और लकी भास्कर जैसी तेलुगु फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके दुलकर सलमान ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की है। उन्होंने शुभारंभ की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस लॉन्च पर साउथ नेचुरल स्टार नानी भी नजर आए।

हैदराबाद में एक बड़े लॉन्च इवेंट में दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की गई। इस मौके पर साउथ स्टार नानी, जो दुलकर के अच्छे दोस्त हैं, उन्होंने शुभ मुहूर्त शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाया। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें दुलकर और नानी नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म एक दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है, जिसका पूजा समारोह भव्य रूप से हुआ। इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बहुप्रतीक्षित डीक्यू41 – एक दिल को छू लेने वाली समकालीन प्रेम कहानी – एक पूजा समारोह के साथ भव्य रूप से लॉन्च हुई।

निर्देशक बुची बाबू सना ने कैमरा शुरू किया, जबकि नानी, गुन्नम संदीप और राम्या गुन्नम ने स्क्रिप्ट सौंपी। पहला शॉट रवि नेलाकुदिति ने खुद डायरेक्ट किया। इस मौके पर निर्देशक श्रीकांत ओडेला भी मौजूद थे। फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है। सिनेमैटोग्राफी अनय ओम गोस्वामी करेंगे, संगीत जीवी प्रकाश कुमार देंगे और प्रोडक्शन डिजाइन अविनाश कोल्ला का होगा। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होगी।

दुलकर सलमान, जो अपनी शानदार फिल्मों के चयन के लिए मशहूर हैं, अब अपनी 41वीं फिल्म में काम कर रहे हैं। यह एक समकालीन प्रेम कहानी है। इस फिल्म का निर्देशन नए निर्देशक रवि नेलाकुदिति कर रहे हैं और इसे दशहरा के निर्माता सुधाकर चेरुकुरी अपने एसएलवी सिनेमाज बैनर तले बना रहे हैं। यह प्रोडक्शन हाउस की 10वीं फिल्म (एसएलवी10) है। (आरएनएस)

व्हाइट गाउन में प्रिंसेस बनीं अवनीत कौर

टीवी की दुनिया से अपने एक्टिंग करियार की शुरुआत करने वाली अवनीत कौर आज बॉलीवुड का भी जाना-माना चेहरा बन चुकीं हैं, उनकी खूबसूरती के लोग दीवाने हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आग लगा दी है, इन फोटोज में अवनीत व्हाइट ड्रेस में बिल्कुल प्रिंसेस की तरह नजर आ रहीं हैं। ये लुक उन्होंने अपनी फिल्म वियतनाम में प्यार के पहले प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लेने के दौरान पहनी। जहां उनका लुक किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लगा।

अवनीत कौर ने स्ट्रैपी व्हाइट फ्लेयर्ड गाउन वियर की हुई है, जिसमें वो बेहद खुश, कॉन्फिडेंट और स्टनिंग नजर आ रही हैं। तस्वीरों में एक्ट्रेस के हर पोज में उनकी चमक साफ झलक रही है। जिसपर कोई भी इनसान दिल हार बैठे।

पिंक बैकड्रॉप के साथ इस फोटोशूट ने उनकी इनोसेंट और एलिगेंट पर्सनैलिटी को और भी उभारा। तस्वीरों में उन्होंने एक से बढ़क एक पोज दिए हैं, जिसने फैंस का दिल चुरा लिया है।

अवनीत के इस लुक में चार चांद लगाए उनकी मैचिंग व्हाइट हाई हील्स और ओपन घुंघराले बालों ने।।जिसकी भी इस दौरान नजर पड़े वो बस उन्हें देखता ही रह गया। इसपर फैंस दिल खोलकर प्यार बरसा रहे हैं।

अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने मिनिमल मेकअप को चुना, जिससे उनका नैचुरल ग्लो और ज्यादा निखर कर सामने आया। जिसकी झलकर तस्वीरों में साफ दिख रही है।

लव इन वियतनाम के प्रमोशन का यह इवेंट सिर्फ फिल्म से नहीं, बल्कि अवनीत के स्टाइल स्टेटमेंट से भी चर्चा

में रहा। अवनीत पर इस दौरान जिसकी भी नजर पड़ी बस वो एक टक देखता ही रह गया।

जैसे ही अवनीत की ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर आईं, फैंस ने तारीफों की झड़ी लगा दी। किसी ने उन्हें डॉल कहा तो किसी ने लालित्य की रानी। कहा, तो कइयों ने कमेंट सेक्शन में भर-भरकर हा और फायर वाले इमोजी शेयर किए हैं।

ये फिल्म अवनीत के करियर के लिए भी खास है, क्योंकि आखिरी बार वो नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ टीकू वेड्स शेरू में नजर आई थी। अब वो एक बार फिर शांतनु माहेश्वरी की फिल्म लव इन वियतनाम से तहलका मचाने को तैयार है, जो एक रोमांटिक लव स्टोरी है।

परम सुंदरी में दिखी जान्हवी-सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री

जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की आगामी फिल्म परम सुंदरी का आइकॉनिक रेन सीक्वेंस सॉन्ग भीगी साड़ी रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में जान्हवी और सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री फैंस को बेहद पसंद आ रही है। भीगी साड़ी से अदनान सामी की बॉलीवुड संगीत में वापसी हो रही है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की आगामी फिल्म परम सुंदरी का नया गाना भीगी साड़ी रिलीज हो गया है। इस गाने में श्रेया घोषाल की आवाज और अदनान सामी की संगीत में वापसी है। सचिन-जिगर ने संगीत दिया है और अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके बोल लिखे हैं। यह गाना बॉलीवुड के क्लासिक बारिश वाले सीन की याद दिलाता है, जिसमें जान्हवी सफेद साड़ी और सिद्धार्थ सूती कमीज में नाचते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों की केमिस्ट्री और डांस इस गाने को खास बनाते हैं।

आज निर्माताओं ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म का गाना भीगी साड़ी शेयर किया और कैप्शन में लिखा, अदनान सामी के साथ पुरानी यादें ताजा होंगी। प्यार और जुनून से भरपूर, अदनान सामी की आवाज में पेश है भीगीसाड़ी । भीगी साड़ी गाना अब रिलीज हो गया है। साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी – परमसुंदरी 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है।

इस गाने में जान्हवी और सिद्धार्थ की सिजलिंग केमिस्ट्री फैंस को बेहद पसंद आ रही है। एक फैन ने लिखा, बहुत सुन्दर और अद्भुत गीत, एक फैन ने लिखा, बहुत हॉट, एक और फैन ने लिखा, हे भगवान , एक और फैन ने लिखा, क्या गाना है, वहीं कुछ फैंस लाल दिल वाले और फायर इमोजी बरसा रहे हैं।

चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर जनता के मन में शंका

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र का आधार चुनाव कराना ही नहीं, बल्कि चुनाव ऐसे कराना है कि इसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा बना रहे। हाल में लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों ने देश की चुनावी प्रक्रिया पर बहस को नये मोड़ पर ला खड़ा किया है। यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित करने वाला गंभीर मसला है, जिसे न केवल राजनीतिक, बल्कि संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से भी परखना आवश्यक है।

राहुल ने अपने आरोपों में दावा किया है कि 2०24 के आम चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों में फर्जी नाम जोड़े गए और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी यह प्रवृत्ति देखने को मिली है। विपक्ष का आरोप है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी को चुनावी लाभ देने के उद्देश्य से किया गया जिससे मतदाता सूची में हेरफेर कर परिणामों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करने की बजाय %हलफनामा' देने को कहा है।

कर्नाटक समेत तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित मतदाताओं के नाम दें जिन पर आरोप है कि उनके नाम फर्जी तरीके से जोड़े या काटे गए हैं। आयोग का कहना है कि इन दावों की सटीक जांच के लिए तथ्यों और ठोस प्रमाण की आवश्यकता है, महज आरोप पर्याप्त नहीं। आयोग का यह रु ख जहां नियम-सम्मत प्रतीत होता है, वहीं विपक्ष के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनकी जांच में तत्परता और पारदर्शिता की मांग भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हो जाती है। विवाद केवल आंकड़ों और आरोपों का खेल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के मूल %एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत से भी जुड़ा है। यदि वाकई एक मतदाता के नाम पर कई वोट दर्ज हैं, तो यह सीधे-सीधे मतदान प्रक्रिया की पवित्रता का उल्लंघन है। मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना चुनाव की निष्पक्षता की पहली शर्त है। राहुल और विपक्षी दलों के आरोप फर्जी नाम जोड़ने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हैं। उनका कहना है कि आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी दूर करने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक उपायों को पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है। उदाहरणत- आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई परंतु इसमें भी पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के आरोप लगते रहे हैं। कई बार फील्ड अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव की आशंका जताई जाती है, जिससे गलत नाम सूची में बने रहते हैं, और सही नाम हटा दिए जाते हैं। चुनावी पारदर्शिता पर चर्चा करते समय तकनीकी पहलुओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में पारदर्शिता नहीं बरत रहा। जैसे कि मतदान के बाद वीवीपैट पर्चियों की गिनती सीमित प्रतिशत में करना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखना और मतदान केंद्रों से ईवीएम की आवाजाही के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव। ये सभी ऐसे बिंदु हैं, जो जनता के मन में शंका पैदा करते हैं। चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर भी असर डालते हैं।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा मतदाता सूची संबंधी डेटा को ऐसे प्रारूप में जारी नहीं किया जाता जो आसानी से विश्लेषण के लिए उपयुक्त हो। इसके कारण राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों को जांच-पड़ताल में कठिनाई होती है। यदि डेटा पारदर्शी और उपयोगी प्रारूप में उपलब्ध हो, तो स्वतंत्र संस्थाएं और मीडिया भी चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रख सकते हैं, और गड़बड़ी पकड़ने में मदद कर सकते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है संस्थागत विश्वास का क्षरण। चुनाव आयोग जैसी संस्था का भरोसा केवल उसकी संवैधानिक वैधता पर नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर टिका होता है। यदि जनता का विश्वास इससे उठने लगे तो लोकतंत्र की नींव ही हिल सकती है। यही कारण है कि राहुल के आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी मान कर टालना पर्याप्त नहीं, बल्कि इनकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होना आवश्यक है।

इस मुद्दे का समाधान राजनीतिक बहस से नहीं, बल्कि ठोस प्रशासनिक और कानूनी कदमों से ही संभव है। चुनाव आयोग को चाहिए कि मतदाता सूचियों का थर्ड-पार्टी ऑडिट कराए, तकनीकी साधनों से डुप्लीकेट और फर्जी नामों की पहचान करे, और परिणामों को सार्वजनिक करे। मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी भी बढ़ाई जाए। वीवीपैट गिनती के दायरे को बढ़ाना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखना और ईवीएम की सुरक्षा को और मजबूत बनाना भी जरूरी है। लोकतंत्र की आत्मा तभी सुरक्षित रह सकती है, जब जनता का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास रहे।

महेश बाबू की नई फिल्म राव बहादुर से फर्स्ट लुक पोस्टर जारी!

राव बहादुर के पहले लुक में सत्यदेव को एक दमदार और अलग अंदाज में दिखाया गया है। महेश बाबू की पेशकश फिल्म के निर्देशक हैं वेंकटेश माहा, और यह एक नया और बिल्कुल अनोखा कॉन्सेप्ट लेकर आ रही है। यह फिल्म जीएमबी एंटरटेनमेंट, ए+एस मूवीज, स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स और महायना मोशन पिक्चर्स के सहयोग से बनी है। महेश बाबू और वेंकटेश माहा की फिल्म राव बहादुर का यह पोस्टर सत्यदेव की पहली बार देखी गई अलग और दमदार तस्वीर दिखाता है, जिसमें कई ऐसे खास पहलू हैं जो सबको उत्साहित कर देंगे। फिल्म का टैगलाइन है शक एक शैतान है

राव बहादुर का पहला पोस्टर सच में कुछ अलग है, जो दर्शकों ने काफी समय से नहीं देखा। इसमें सत्यम देव को एक शानदार और खास पोशाक में दिखाया गया है, जो पूरी तरह शाही लगती है। पोस्टर में मोर के पंख, बेल और छोटे-छोटे आकार भी शामिल हैं। यह तस्वीर भव्यता, थोड़ी टूटी-फूटी हालत और अंदर की उलझन दिखाती है, जो एक अनोखे और दमदार फिल्मी अनुभव का संकेत देती है।

जैसे कि सत्यम देव फिल्म में अपने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने रोल के बारे में बात करते हुए कहा है, एक अभिनेता के तौर पर, आप ऐसी फिल्म का सपना देखते हैं जैसे राव बहादुर जो बड़ी, चुनौतीपूर्ण और यादगार हो।

उन्होंने आगे कहा, हर सुबह 5 घंटे मेकअप में बिताने से मुझे अपनी पूरी तरह से इस किरदार में खो जाने का मौका मिला, जब शूटिंग शुरू हुई, तब मैं सिर्फ राव बहादुर का अभिनय नहीं कर रहा था, मैं उसी के रूप में जी रहा था।

पोस्टर तो बहुत शानदार है, लेकिन टैगलाइन शक एक शैतान है और भी जिज्ञासा बढ़ा रही है, ये बताती है कि कहानी में कोई बुरा पहलू या मुश्किल होगी। इससे सबको ये जानने का मन कर रहा है कि ये पोस्टर और ये टैगलाइन कहानी में कैसे जुड़ते हैं।

जब जबरदस्त प्रोड्यूसर्स, एक दूरदर्शी निर्देशक, और एक शानदार अभिनेता साथ हों, तो राव बहादुर बनती है आने वाले सालों की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली भारतीय फिल्मों में से एक।

फिल्म की पहली झलक के तौर पर, एक खास वीडियो जिसका नाम है टीज़र भी नहीं इस स्वतंत्रता दिवस थिएटरों में रिलीज होगा और इसके बाद अगले हफ्ते डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाया जाएगा।

सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ, राव बहादुर एक नई फिल्म है, जिसे प्रसिद्ध निर्देशक वेंकटेश माहा बना रहे हैं। वेंकटेश माहा ने पहले कांचरापालेम और उमा महेश्वर उग्र रूपस्य जैसी सफल फिल्में बनाई हैं। यह फिल्म ए+एस मूवीज और स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स के साथ बनी है, जो तेलुगु सिनेमा की लोकप्रिय कंपनियां हैं।

ए+एस मूवीज ने पहले जीएमबी एंटरटेनमेंट के साथ मेजर बनाई थी, और स्त्रीचक्रा एंटरटेनमेंट्स ने केए जैसी मशहूर फिल्म का समर्थन किया है। राव बहादुर की रिलीज़ गर्मियों 2०26 में होगी।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.61

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.60 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

वोट चोरी का आरोप...!

राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बाद अब विपक्ष के अन्य नेता भी खुल कर सामने आ रहे हैं।

राकांपा (शरद पवार) अध्यक्ष शरद पवार ने दावा किया है कि 2०24 के महाराष्ट्र चुनाव से ऐन पहले दो व्यक्तियों ने दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी जिसमें 288 सीटों में से 16० में जीत की गारंटी दी थी। पवार ने यह खुलासा उस वक्त किया है जब राहुल गांधी निर्वाचन आयोग व भाजपा पर वोटचोरी का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी इसे संविधान के खिलाफ अपराध बोल चुके हैं। उन्होंने जनता का समर्थन जुटाने के लिए वोटचोरी नाम से पोर्टल भी लॉन्च किया है। राहुल ने संदेश दिया कि वोट हमारे लोकतंत्र की नींव है जिस पर भाजपा द्वारा सुनियोजित हमला किया जा रहा है और जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है।

तीन राज्यों में इस कथित वोटचोरी के आरोपों पर कई दिनों से आयोग और राहुल के बीच नोक-झोंक चालू है। आयोग हस्ताक्षरित घोषणापत्र की मांग पर अड़ा है, जबकि राहुल अपने सार्वजनिक बयान को ही शपथ सरीखा बता रहे हैं। पच्चीस दलों ने राहुल का समर्थन कर राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। संभव है कि ये दल देश भर में प्रदर्शन का ऐलान भी कर दें।

भारतीय चुनाव प्रणाली को लेकर इस तरह का संदेह पहले कभी नहीं देखा गया। कांग्रेस के वरिष्ठ परंतु भाजपा की पक्षधरता करने वाले नेता शशि थरूर ने भी इस मामले में राहुल का समर्थन किया है। उन्होंने आयोग से अपना पक्ष स्पष्ट करने को कहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने शिकायत पत्र पर कार्रवाई न होने का आरोप लगाया।

उद्धव ठाकरे के दल ने भी बेहतरीन खोजी रिपोर्ट पेश करने पर कांग्रेस की पीठ थपथपाते हुए आयोग को जवाबदेह बताया। आयोग राहुल के आरोपों को झूठा कह कर माफी मांगने को कह रहा है जबकि उसको वोट चोरी के गंभीर आरोपों के दस्तावेज की मांग कर उचित कार्रवाई करते नजर आना चाहिए।

राहुल या विपक्ष के आरोपों के गलत या सही होने का खुलासा भी आयोग को सार्वजनिक तौर पर करना होगा। यह जानने का भी प्रयास करना होगा पवार से मिलने वाले वे दो लोग कौन थे, जिन्होंने जीत की गारंटी दी थी।

मामला अब मात्र वाकयुद्ध का नहीं रहा। संविधान और मतदाताओं के अधिकार को बचाने के प्रति आयोग को मुस्तैद होना होगा। वह स्वायत्त संस्था है। उसे पक्षपात की राजनीति करते नहीं नजर आना चाहिए। (आरएनएस)

श्रीलीला संग एक्शन मोड में लौटे रवि तेजा

साउथ स्टार रवि तेजा की एक्शन फिल्म मास जथारा का टीजर जारी कर दिया गया है। यह रवि तेजा के फैंस की उम्मीदों पर खरा उतरता है। इस फिल्म में वह साउथ की खूबसूरत हसीना श्रीलीला के साथ नजर आएंगे।

एक्टर रवि तेजा ने मास जथारा के एक पोस्टर के साथ फिल्म का टीजर जारी किया है। उन्होंने इसे फुल मील्स मास एंटरटेनर बताया है। टीजर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए रवि ने कैप्शन में लिखा है, इस बार एक भरपूर सामूहिक मनोरंजन भोज परोसा जा रहा है। मास जथारा के टीजर का आनंद लें। 27 अगस्त को सिनेमाघरों में मिलते हैं। 1 मिनट 35 सेकंड के इस टीजर में रवि तेजा रेलवे पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आए हैं। वह हथियार चलाते और बदमाशों से लोहा लेते दिख रहे हैं। उनके कंधों पर एक सांप भी आराम से बैठा हुआ दिखाई दे रहा है।

टीजर में रवि तेजा का एक और पहलू भी दिखाया गया है, एक रोमांटिक हीरो का, जो मुख्य हीरोइन श्रीलीला को रिझा रहा है। दिग्गज एक्टर राजेंद्रन रवि तेजा के पिता की भूमिका निभा रहे हैं, जो कॉमेडी का तड़का लगाते हैं। टीजर में थोड़ी मस्ती के साथ कलाकारों के बीच एक्शन और मजेदार केमिस्ट्री दिखाया गया है।

भानू बोगावरापू इस फिल्म के डायरेक्टर होने के साथ-साथ राइटर भी हैं।

भारी मात्रा में चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने भारी मात्रा में चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी बागेश्वर को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले सामान की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी द्वारा बताये गये स्थान मानीखेत कपकोड रोड से एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। जिसके पास से 472 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम कनवाल पुत्र हीरा सिंह उर्फ हरीश सिंह निवासी उडेरा बसेत तुनेड़ा (माल्ता) थाना जिला बागेश्वर बताया। जिसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहांसे उसे जेल भेज दिया गया है।

शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की पुण्यतिथि पर कैबिनेट मंत्री ने की श्रद्धांजलि अर्पित

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गोरखाली सुधार सभागार में आजाद हिन्द फौज के शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को उनकी 81वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गढ़ी कैंट गोरखाली सुधार सभागार में आजाद हिंद फौज के शहीद मेजर दुर्गा मल्ल को उनकी 81वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति एवं अन्य संगठनों द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सबसे पहले अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत और प्रस्तुतियाँ दीं। साथ ही, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों एवं प्रमुख हस्तियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आई दैवीय आपदा में दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए 02 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। अपने संबोधन में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मेजर दुर्गा मल्ल आजाद हिंद फौज के पहले गोरखा सैनिक थे जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने बताया कि एक जुलाई 1913 को डोईवाला (देहरादून) में जन्मे दुर्गा मल्ल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गोरखा मिलिट्री मिडिल स्कूल (वर्तमान गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज) से प्राप्त की और बाद में आजाद हिंद फौज की गुप्तचर शाखा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि 25 अगस्त 1944 को मेजर दुर्गा मल्ल दिल्ली की तिहाड़ जेल में मुस्कुराते हुए फाँसी के फंदे पर झूल गए और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। मंत्री ने उनके साहस और त्याग को देश की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि उनकी गाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने लोगों से ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी करने और शहीदों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री और ऋषिकेश विधायक प्रेम चंद्र अग्रवाल, गोर्खाली सुधार सभा अध्यक्ष पदम सिंह थापा, नेपाली भाषा समिति अध्यक्ष मधुसुदन शर्मा, भाजपा के मण्डल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, दिनेश उपाध्याय, दीवान सिंह, पूजा शर्मा, मनोज क्षेत्री, पुष्पा क्षेत्री, माया थापा, मीनू क्षेत्री, सपना सहित कई लोग उपस्थित रहे।

धराली-थराली आपदा प्रभावितों के लिए रजनी रावत ने दिये ग्यारह लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति की उपाध्यक्ष मैडम रजनी रावत ने धराली-थराली में आयी आपदा के प्रभावितों के लिए 11 लाख रूपये व अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया।

आज यहां उत्तराखंड सरकार में समाज कल्याण योजनाएँ अनुश्रवण समिति की उपाध्यक्ष,मैडम रजनी रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 11 लाख रुपये की सहयोग राशि एवं अपना एक माह का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु प्रदान किया। यह राशि हाल ही में धराली (जनपद उत्तरकाशी) एवं थराली (जनपद चमोली) क्षेत्र में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों की सहायता हेतु दी गई है। इस आपदा ने कई लोगों के घर, आजीविका और संपत्ति छीन ली, जिससे वहाँ के स्थानीय निवासियों को गहरी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मैडम रजनी रावत ने इस अवसर पर कहा कि आपदा के इस कठिन समय में राज्य सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से पीड़ितों तक सहायता पहुँचाई जा रही है। मेरा यह प्रयास केवल एक छोटा सा योगदान है, ताकि उत्तराखंड की जनता को यह महसूस हो सके कि उनकी पीड़ा हमारी पीड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के हर वर्ग को इस विकट परिस्थिति में आगे आकर सहयोग करना चाहिए। आपदा पीड़ितों को न केवल आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, बल्कि भावनात्मक संबल और सामाजिक एकजुटता की भी जरूरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सहयोग हेतु आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "उत्तराखंड सरकार आपदा पीड़ितों के पुनर्वास और राहत कार्यों को पूरी गंभीरता से चला रही है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रभावित परिवारों तक तुरंत सहायता पहुँचे और उनके जीवन को शीघ्र सामान्य बनाया जा सके। यह उल्लेखनीय है कि हाल की प्राकृतिक आपदा ने उत्तरकाशी और चमोली जनपदों में जनजीवन को गहराई से प्रभावित किया है। राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चल रहे हैं और राज्य सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। रजनी रावत का यह योगदान निश्चित रूप से अन्य जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को भी प्रेरित करेगा कि वे आगे बढ़कर आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाएँ।

उत्तराखण्ड विद्वत् सभा की द्विवार्षिक कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड विद्वत् सभा का द्विवार्षिक कार्यकारिणी का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ

आज यहां स्वामी राम तीर्थ मिशन, राजपुर रोड में उत्तराखण्ड विद्वत् सभा (पंजी.) की द्विवार्षिक कार्यकारिणी का गठन गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संरक्षक मंडल, पूर्व पदाधिकारी तथा वरिष्ठ विद्वज्जनों की उपस्थिति रही। सभा की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष विजेन्द्र प्रसाद ममगाईं ने की। नव निर्वाचित कार्यकारिणी में हर्षपति गोदियाल को अध्यक्ष, सत्यप्रसाद सेमवाल को उपाध्यक्ष, अजय डबराल को सचिव, मुरलीधर सेमवाल को सहसचिव, आदित्यराम थपलियाल को कोषाध्यक्ष, राजेश अमोली को संगठन सचिव, विपिन डोभाल को प्रवक्ता, दीपक अमोली को लेखानिरीक्षक तथा आशीष खंकरियाल को सलाहकार के रूप में चुना गया। सभा में संरक्षक मंडल के प्रमुख धर्माधिकारी रामेश पांडेय, पवन शर्मा, देवी प्रसाद ममगाईं, रामलखन गैरोला एवं डॉ. रामभूषण बिजल्वाण ने अपने विचार रखते हुए संगठन की विद्वत् परम्परा को और अधिक सशक्त बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर सभा के निवर्तमान अध्यक्ष विजेन्द्र प्रसाद ममगाईं ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड विद्वत् सभा सदैव समाज के शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक उत्थान हेतु निरन्तर कार्य करती रहेगी और नई कार्यकारिणी इस परम्परा को और अधिक दृढ़ एवं प्रभावी बनाएगी। कार्यक्रम में पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य तथा सभी आजीवन सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और नवगठित कार्यकारिणी के प्रति अपने विश्वास एवं समर्थन की अभिव्यक्ति की।

विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने किया नगर निगम में प्रर्दशन

संवाददाता

देहरादून। शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम में प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम में एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि शहर में खानपान, जरूरत से जुडी चीजों के साथ ही तमाम कंपनियां शहर में ऑनलाइन बिजनेस कर रही है। इन कंपनियों के शहर में जगह-जगह गोदाम और वितरण केन्द्र हैं। कांग्रस की मांग है कि सबसे पहले इन ऑन लाइन कंपनियों के दफ्तरों व गोदामों पर नियम के तहत ट्रेड शुल्क लगाया जाए। इस समय ये सभी कंपनियां नगर निगम से बिना पंजीकरण हुए काम कर रही हैं। इस वजह से नगर निगम को हर साल भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में कई जगह स्ट्रीट लाइट बंद हैं। बरसात से तमाम जगह सडके खराब है। पथ प्रकाश व्यवस्था बंद होने के चलते रात में अंधेरा होने के चलते राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पडता है। उन्होंने मांग की है कि 2025 के नगर निगम बोर्ड गठन के बाद अभी तक वार्डो में खुली नालियों पर स्लैब की व्यवस्था नहीं हो पायी है। अत: प्रत्येक वार्ड में नालों के उपर स्लैब की व्यवस्था की जाये। ज्ञापन देने वालों में रोबिन त्यागी, अनूप कपूर, पार्षद अर्जुन सोनकर, महेन्द्र रावत, सलीम खान, अमित भण्डारी आदि शामिल थे।

विधवा मां को है दोनों बेटों से जान का खतरा, गुंडा एक्ट में केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। दो जवान बेटों के द्वारा अपनी विधवा मां के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में जिलाधिकारी सविन बसंल ने गम्भीरता से लेते हुए दोनों पर गुंडा एक्ट का मुकदमा दर्ज कर उनको जल्द ही जिला बदर की कार्रवाई भी अमल में लायी जा सकती है।

आज यहां जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में विधवा महिला विजय लक्ष्मी पंवार पत्नी स्व. मोहन सिंह पंवार, निवासी भागीरथपुरम, बंजारावाला ने जिलाधिकारी सविन बंसल से गुहार लगाई कि एक विधवा गरीब महिला है, उसके दोनो पुत्र, नशे के आदी व बिगड़े हुये है और उन्हें मारते-पीटते है एवं हर समय पैसो की मांग करते है। कई बार उन्हें पुलिस एवं पार्षद ने भी समझाया, लेकिन वह सुधरने के बजाये और भी बिगड गये है। उनके पुत्र क्या करते

●जल्द हो सकती है जिला बदर की कार्रवाई

हैं उन्हें नहीं पता है। लेकिन जब वह कभी 2 व 3 दिन में या कभी आधी रात में घर आते है और हर समय अफीम / गांजा / शराब व आदि के नशे में रहते है तो फिर अपनी माँ की पिटाई कभी डंडो से तो कभी हाथ-पैर से करते है व सिर्फ पैसा मांगते रहते है। अब तो उन्होंने मुझे जान से मारने की धमकी दे दी है, जिससे में विधवा महिला अत्यधिक डरी हुई है। महिला को डर है कि उनके पुत्र उन्हें झोपडे में ही जान से मार सकते है। विगत दिवस कलेक्ट्रेट में एक मामला सामने आया जहां क्रूर बिगड़ैल गुंडे बेटे, विधवा मां विजयलक्ष्मी, और डीएम देहरादून हैं। 2 जवान बिगडैल बेटों ने विधवा मां का जीवन नरक बना दिया, मामला सामने आते ही गुंडा एक्ट में डीएम की विशेष शक्ति गई भड़क तथा जिले में पहली बार थाना रिपोर्ट, कचहरी वकील को दरकिनार कर गुंडा रूल्स 1970 नियामक की अनन्य शक्ति को क्रियान्वित करते हुए दोनों बेटों को नोटिस तामील कर दिए गए। जब स्वयं व्यथित माता ही लगा रही मोहर तो क्या जटिलता और क्या नियमों की रार, जरूरी है दुष्कर प्रक्रिया का परिहार, असहाय विधवा माता की सुरक्षा सर्वोपरि मानते हुए डीएम ने कानूनी जटिल प्रक्रिया को अतिक्रमित करते हुए गुंडा एक्ट में वाद दर्ज कर दिया है जिस पर फास्ट ट्रैक सुनवाई दो दिन बाद है। जिला प्रशासन आम जन का विश्वास भरण पोषण से लेकर प्रताड़ित व शोषण के मामलों पर फास्ट्रेक सुनवाई, निर्णय साक्षात हो रहे हैं। जिलाधिकारी ने प्रकरण पर उसी दिन गोपनीय जांच करवाई तो स्थानीय लोगों, पड़ोसियों, जनप्रतिनिधियों ने भी पुष्टि की है कि से प्रार्थिनी के दोनों पुत्र आये दिन अपनी माता के साथ मार-पीट करते रहते हैं तथा नशे के आदि होने के कारण पैसे की मांग तथा जान से मारने की धमकी देते हैं। गोपनीय इंक्वायरी ऑफिसर ने स्पष्ट किया कि आवश्यक प्रतीत होता है कि दोनों पुत्रों को प्रार्थिनी से दूर रखा जाये। जिलाधिकारी उसी दिन 2 घंटे के भीतर दोनो पुत्रों के विरूद्ध गुण्डा अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है। नोटिस के द्वारा दोनों पुत्रों को इत्तला दी गई है कि वे 26 अगस्त 2025 को पूर्वान्ह साढे दस बजे न्यायालय में स्वय अथवा द्वारा अधिवक्ता उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। तथा यदि वह निर्दिष्ट समय भीतर कोई स्पष्टीकरण, उत्तर या सूचना नहीं देते तो तद्नुसार फास्ट ट्रैक प्रकरण निर्मित कर दिया जाएगा।

21 लाख की हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। राज्य सरकार जहां एक तरफ 2025 तक राज्य को नशामुक्त बनाने का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर राज्य के मैदानी ही नहीं पहाड़ी क्षेत्रों में भी नशा कारोबार बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। बीती रात एक बार फिर

पहाड़ी जनपद पिथौरागढ़ में एक नशा तस्कर को दबोच कर पुलिस ने उसके पास से 21 लाख रूपये की हेरोइन बरामद करने का दावा किया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात एक सूचना के आधार पर एसओजी व कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर क्षेत्र में नाकाबंदी कर दी गयी। इस दौरान संयुक्त टीम को टनकपुर तिराहे से ऐचोली रोड पर एक स्विफ्ट कार आती हुई दिखायी दी। टीम द्वारा जब उसे रूकने का इशारा किया गया तो चालक पुलिस को देखकर हड़बड़ाकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 69.61 ग्राम हेरोईन (स्मैक) बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम सूरज भण्डारी पुत्र नरेन्द्र सिंह भण्डारी निवासी ग्राम सुरौण थाना कनालीछीना जनपद पिथौरागढ बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। बरामद हेरोइन की कीमत 21 लाख रूपये आंकी गयी है।

मुठभेड़ के बाद पूर्व प्रधान ही हत्या का खुलासा, दो बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पूर्व प्रधान की हत्या का मात्र कुछ दिनों में ही खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 21 अगस्त को कोतवाली काशीपुर क्षेत्र में ढकिया के पूर्व प्रधान श्याम सिंह की कुछ बदमाशों द्वारा गोली मारकार हत्या

●मुख्य आरोपी के परिवार का है आपराधिक इतिहास

कर दी गयी थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी गयी। हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद हत्यारे दो लोगों का सुराग लगा लिया। जिनके साथ देर रात पुलिस की मुठभेड़ हो गयी। मुठभेड़ के दौरान बदमाश घायल हुए है जिन्हे गिरफ्तार कर अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनका उपचार जारी है।

गिरफ्तार बदमाशों के नाम काव्य शर्मा पुत्र स्व. सुनील कुमार शर्मा, निवासी ढकिया व राघव मिश्रा उर्फ निखिल पुत्र राजेश मिश्रा, निवासी सुभाष नगर बताये जा रहे है।

गिरफ्तार काव्य शर्मा ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने पूर्व ग्राम प्रधान श्याम सिंह पर गोली चलाई थी। घटना का कारण उसने आपसी पुरानी रंजिश बताया।

पुलिस के अनुसार काव्य शर्मा का भाई कार्तिक शर्मा फरवरी 2024 में थाना आईटीआई क्षेत्र के दोहरे हत्याकांड में जेल भेजा जा चुका है। स्वयं काव्य शर्मा भी हत्या के प्रयास में नामजद आरोपी रह चुका है। उसका मामा प्रदीप शर्मा उर्फ सोनू भी हत्या के प्रयास के मामले में बागपत जेल जा चुका है। पूरे परिवार का गहरा आपराधिक इतिहास सामने आया है।

फर्जी आईएएस अधिकारी प्रयागराज से गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने फर्जी आईएएस अधिकारी को प्रयागराज से गिरफ्तार किया। आरोपी पर प्रयागराज में भी आधा दर्ज मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुद को आईएएस अधिकारी बनाने वाले पर पुलिस ने शिकंजा कसा। आरोपी द्वारा खुद को जॉइंट मजिस्ट्रेट चंपावत बताकर अभिषेक गोस्वामी से डेढ़ लाख रुपए से अधिक व एक मोबाइल सैमसंग गैलेक्सी, धोखाधड़ी से प्राप्त कर लिया गया था। आज आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल के आदेश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक टिहरी गढ़वाल के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी

प्रयागराज में दर्ज हैं आधा दर्जन मुकदमें

चम्बा के पर्यवेक्षण में कोतवाली कैम्पटी पुलिस द्वारा कोतवाली कैम्पटी अभिषेक गोस्वामी पुत्र राजकुमार निवासी सुपर टेक इको बिलेड़(1) ग्रेटर नोएड़ा वेस्ट उ0प्र0 द्वारा दर्ज मुकदमें शशि चन्द से सम्बन्धित शशि चन्द उर्फ शशि चन्द प्रजापति पुत्र स्वामी नाथ निवासी सराय शेरखा पोओ जमताली थाना रानीगंज जिला प्रतापगढ़ हाल किरायेदार मकान मालिक दीपक पुत्र अवध नारायण लाल निवासी हरवारा थाना धूमगंज जिला प्रयागराज उ.प्र. को मुकदमा उपरोक्त के जांच अधिकारी उपनिरीक्षक शिवराम द्वारा थाना धूमगंज जनपद प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा। आरोपी बहुत ही शातिर किस्म का पेशेवर अपराधी है, व फर्जी आईएएस अधिकारी बन कर लोगों से ठगी करता है, जिसके विरुद्ध पूर्व में भी कई मुकदमें दर्ज है। फर्जी आईएएस के खिलाफ प्रयागराज में भी आधा दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। आरोपी अपनेआप को 2019 बैच का आईएएस बताकर अपने से छोटे रैंक के अधिकारियों व जनता के भोले भाले व्यक्तियों को प्रभाव में लेकर मोटी रकम ऐंठ लेता था यह जालसाज।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम शैक्षिक दस्तावेजों में त्रुटिवश रचित (Rachit) दर्ज हो गया है। जबकि सही व सत्य नाम रचित तोपाल (Rachit Topal) है, जो कि आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र में भी मेरे पुत्र का नाम रचित तोपाल दर्ज है। भविष्य में सभी दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम रचित तोपाल के नाम से ही जाना पहचाना व पुकारा जाये।

श्रीमती नीतू तोपाल पत्नी गोविन्द सिंह तोपाल निवासी पो.ओ. शमशेरगढ़, नथुवावाला, देहरादून, उत्तराखण्ड

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।